

■ इतिहास:

- वर्ष 1947 में इन देशों में संबंध की स्थापना के बाद से भारत और नॉर्वे के बीच आपसी संबंध सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण रहे हैं।
- भारत में नॉर्वे का पहला वाणिज्य दूतावास(कांसुलेट) कोलकाता और मुंबई में क्रमशः वर्ष 1845 और वर्ष 1857 में स्थापित हुआ।
- मत्स्य पालन पर जोर देने के साथ विकास सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1952 में "इंडिया फंड" की स्थापना की गई थी।
- उसी वर्ष नॉर्वे ने नई दिल्ली में अपना दूतावास स्थापित किया।
- नॉर्वे ने मसिाइल प्रौद्योगिकी नयितरण व्यवस्था (MTCR), वासेनर अरेंजमेंट (WA) और ऑस्ट्रेलिया समूह (AG) के नरियात नयितरण व्यवस्थाओं के लिये भारत की सदस्यता का समर्थन किया है।
- भारत ने वर्ष 1986 में नॉर्वे के साथ दोहरा कराधान अपवंचन समझौता (DTAA) पर हस्ताक्षर किया, जसि फरवरी 2011 में संशोधित किया गया।

घटनाक्रम:

■ नॉर्वे का महावाणिज्य दूतावास:

- मुंबई में वर्ष 2015 में दोबारा महावाणिज्य दूतावास खोल दिया गया।
 - यह 1970 से बंद था।
 - यह नॉर्वे सरकार के आधिकारिक व्यापार प्रतिनिधि इनोवेशन नॉर्वे से जुड़ा था, जसिका कार्यालय अब मुंबई और नई दिल्ली दोनों जगह है।

■ भारत रणनीति:

- दिसंबर 2018 में, नॉर्वे सरकार ने एक नई 'भारत रणनीति' शुरू की। यह रणनीति वर्ष 2030 तक नॉर्वे की स्पष्ट प्राथमिकताएँ नरिधारित करती है और द्विपक्षीय सहयोग को विकसित करने के लिये नये सरि से प्रोत्साहन देती है।
 - भारत रणनीति पाँच वषियगत प्राथमिकताओं को रेखांकित करती है:
 - लोकतंत्र और वधिआधारित वशिव व्यवस्था
 - महासागर
 - ऊर्जा
 - जलवायु और पर्यावरण
 - अनुसंधान, उच्च शक्ति और वैश्विक स्वास्थ्य
 - इन उद्देश्यों की पूर्तके लिये नॉर्वे अधिकारियों, व्यापार सहयोग और अनुसंधान सहयोग के बीच राजनीतिक संपर्क तथा सहयोग पर केंद्रित है।
 - इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये, नॉर्वे राजनीतिक संपर्क और अधिकारियों के बीच सहयोग, व्यावसायिक सहयोग तथा अनुसंधान सहयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।

■ बलु इकोनॉमी पर टास्क फोरस:

- वर्ष 2020 में, सतत विकास के लिये बलु इकोनॉमी पर भारत-नॉर्वे टास्क फोरस को दोनों देशों द्वारा संयुक्त रूप से शामिल किया गया था। इस टास्क फोरस को वर्ष 2019 की शुरुआत में नॉर्वे के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान लॉन्च किया गया था।
- टास्क फोरस का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संयुक्त पहल को विकसित करना और उनका पालन करना है।
- यह नॉर्वे और भारत दोनों से उच्चतम स्तर पर प्रासंगिक हतिधारकों को जुटाने और मंत्रालयों तथा एजेंसियों के बीच नरितर प्रतबिद्धता एवं प्रगति सुनिश्चित करने का भी इरादा रखता है।

■ नॉर्वे के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा:

- 2019 में, नॉर्वे के प्रधान मंत्री ने भारत का दौरा किया और कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गए।
- प्रधानमंत्री ने रायसीना डायलॉग में उद्घाटन भाषण दिया और भारत-नॉर्वे व्यापार शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया।

■ आर्थिक संबंध:

- वर्ष 2019 तक, 100 से अधिक नॉर्वे की कंपनियों ने भारत में स्वयं को स्थापित किया।
 - अन्य 50 का प्रतिनिधित्व एजेंटों द्वारा किया जाता है।
 - नॉर्वेजियन पेंशन फंड ग्लोबल संभवतः भारत के सबसे बड़े एकल वदिशी निवेशकों में से एक है। वर्ष 2019 में, इसका निवेश 9.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।
- नॉर्वे से भारत में नरियात जसिमें अलौह धातु, गैस प्राकृतिक नरिमति, प्राथमिक रूप में प्लास्टिक, कच्चे खनजि, रासायनिक सामग्री और उत्पाद शामिल हैं।
- भारत से नॉर्वे को नरियात की मुख्य वस्तुओं में परधान और सहायक उपकरण, कपड़ा धागे, धातु, चावल और वविधि वनिरिमति वस्तुएँ शामिल हैं।

■ वभिनिन कषेत्रों में सहयोग:

- नॉर्वे के पास दुनिया का पाँचवाँ सबसे बड़ा वाणिज्यिक जहाज़ बेड़ा है और पर्यावरण के साथ-साथ प्रतसिपर्धी कारणों से आधुनिक बेड़े को बनाए रखने के लिये जहाज़ का पुनर्यकरण महत्वपूर्ण था। नॉर्वे "जहाज़ पुनर्यकरण और जहाज़ नरिमाण" गतिविधियों में भारत के साथ घनषिठ रूप से सहयोग कर रहा है।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास और चेन्नई में पवन ऊर्जा संस्थान तथा नॉर्वे के संस्थानों के बीच अकादमिक सहयोग मौजूद है।
- नॉर्वे की कंपनी पकिल ताजमहल जैसे भारतीय स्मारकों के लिये डिजिटल संग्रह बनाने में शामिल थी। कंपनी ऐतिहासिक स्मारकों गुजरात में धौलावीरा और मध्य प्रदेश में भीमबेटका गुफाओं के डिजिटलीकरण में भी शामिल थी।

स्रोत: द हिंदू

